स्वामी जी महाराज का विराट योग

परम पूजनीय स्वामी जी महाराज ने 'भक्ति–प्रकाश' में विराट योग का वर्णन किया है। राम नाम का सिमरन करते हुए अपने सभी कर्त्तव्यों का पालन करते रहना विराट योग है।

- मुख में राम हाथ में काम
- राम–राम भजकर श्रीराम। करिये नित्य ही उत्तम काम।।
- सिमरन और सेवा
- स्मरण और युद्ध

ये सब विराट योग के अन्तर्गत हैं।

परम पूजनीय स्वामी जी के अनुसार–

हरि को सिमरो ध्यान से, चलते–फिरते बाट।
काम–काज में सिमरिये, सुखकर योग विराट।।
योग रीति यह सुगम है, फल है परम अपार।
अति विश्वास का काम है, श्रद्धा की है कार।।

(भक्ति प्रकाश, आधार शुद्धि, 165/34–35)

साधक मार्ग में चलते फिरते एवं काम काज करते हुए, ध्यानपूर्वक परमात्मा का सिमरन करे। सिमरन का अर्थ है कि परमात्मा सर्वत्र विद्यमान है, यह अनुभूति निरन्तर बनी रहे। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को विराट रूप का दर्शन कराके, यही संदेश दिया था, कि कण–कण में 'मैं' ही हूँ। श्री स्वामी जी महाराज हमें सरल विराट योग में यही संदेश दे रहे हैं, कि अपनी प्रत्येक गतिविधि में परमात्मा को शामिल मानकर काम करेंगे, तो परमात्मा से सतत् योग बना रहेगा। अतः परमात्मा का कभी भी विस्मरण न हो। यह सुखकारी विराट योग है। परमात्मा–मिलन की यह सरलतम विधि है और इसका फल अपरम्पार है। यह साधन अति विश्वास एवं श्रद्धा का मार्ग है। अतः आत्म–कल्याण का यह सरलतम पथ विराट योग है।

कर्म करो त्यों जगत के, धुन में धारे राम।
हाथ पाँव से काम हो, मुख में मधुमय नाम।।
एक पंथ दो काज यों, होवें निश्चय जान,
भक्ति धर्म का मर्म है, योग युक्ति ले मान।।

(भक्ति प्रकाश, कुण्डलिनी प्रबोध 165/4,5)

जगत के सभी कर्म करते हुए राम–राम की धुन लगी रहे। हाथ–पाँव से कार्य करते हुए भी मुख में मधुर राम–नाम का जप होता रहे। इस प्रकार निश्चय से एक पंथ, दो कार्य होते जाते हैं। इसे ही भक्ति धर्म का रहस्य एवं आत्म–परमात्म मिलन की सुगमतम रीति समझिये। 'मुख में राम हाथ में काम' यह स्वामी जी महाराज का विराट योग है।

राम राम भजकर श्रीराम,
करिये नित्य ही उत्तम काम।
जितने कर्त्तव्य कर्म कलाप,
करिये राम राम कर जाप।।

करिये गमनागम के काल,
राम जाप जो करता निहाल।
सोते जगते सब दिन याम,
जपिये राम राम अभिराम।।

(अमृतवाणी, 22)

सिमरन और सेवा का यह उत्तम व्यवहारिक रूप है।

भगवान श्रीकृष्ण का अमर संदेश–**'हे अर्जुन, सब समय में तू मुझे स्मरण कर और युद्ध कर। (अर्थात् नाम स्मरण करते हुए सभी कर्त्तव्य कर्मों का पालन करता चल) इस प्रकार मन और बुद्धि मुझमें अर्पित किये हुए संदेह रहित, तू मुझको ही प्राप्त कर लेगा।'**

(श्रीमद्भगवद्गीता, 8/7)

यही स्वामी जी महाराज का विराट योग है।

इस प्रकार साधक विराट योग का नित्य पालन करता रहे तो अन्तकाल में उसकी मति

सुधर जाती है, वह शुभ गति को प्राप्त हो जाता है। **'अन्तकाल में जिसकी मति सुधर जाये उसकी गति सुधर जाती है। मति को सुधारने का सबसे सुगम साधन नाम स्मरण और नाम–ध्यान है।'**

(श्रीमद्भगवद्गीता, 8/9–10)

अन्तकाल जो जन जपे, जन्म जीत वह जाय।
वेदागम का मर्म है, समझो निश्चय लाय।।

(भक्ति प्रकाश, नाम महिमा 60/17)

'हे देहधारियों में श्रेष्ठ, यहाँ देह में (प्राणियों में) शुभ कर्म रूप यज्ञ का अधिष्ठाता मैं हूँ और अन्तकाल में जो मनुष्य, मुझे ही स्मरण करता हुआ देह को त्यागता है वह मेरे स्वरूप को प्राप्त होता है। इसमें कोई भी संशय नहीं।'
(श्रीमद्भगवद्गीता, 8/5)

साधक नित्य निरंतर नियमपूर्वक नाम जप व ध्यान का अभ्यास करता रहे, तो अन्त समय में उक्त अवस्था को प्राप्त हो जाता है। साधना करने की यह विधि ही विराट योग है। विराट योग साधकों के लिए श्री स्वामी जी महाराज की सरलतम एवं श्रेष्ठतम पद्धति है। साधक गृहस्थ धर्म का भली भांति पालन करते हुए अपने जीवन में इस पद्धति को अपनाकर अपना कल्याण कर सकता है।

(एक वरिष्ठ साधक)

अनुभूति

'गुरुदेव अन्त समय हुए सहाई'

आज से लगभग दो वर्ष पहले अचानक मेरे पति का last stage cancer diagnose हुआ। हम सब परिवार के सदस्य बहुत दुःखी हुए । डॉ ने भी जवाब दे दिया जितनी सेवा कर सकते हो करो। धीरे धीरे मेरे पति की आवाज़ भी बहुत कम हो गई। सभी ने उन के लिए राम नाम जपना आरम्भ कर दिया। उन्हें 31 दिसम्बर रात को श्रीरामशरणम् में लेकर आए।

एक दिन धीमी आवाज़ में उन्होंने बताया कि मैं पूरी नींद में नहीं था, गुरुदेव मेरे पास आए, मैंने हाथ जोड़ कर कहा,'' कि मुझे इस चक्कर से छुड़ाओ।'' महाराज जी ने कहा,'' अभी एक सप्ताह रुक जाओ।'' हमने सोचा कि शायद यह ठीक होने शुरु हो जाएंगे। लेकिन निश्चित समय पर जाना ही होता है। एक सप्ताह के बाद इन्हें silent attack हुआ। महाराज जी ने इनके जाने का रास्ता सुगम कर दिया। कैंसर रोग से पीड़ित व्यक्ति अत्यधिक दुख उठाता है। हम इन्हें केवल दिखाने के लिए हस्पताल लेकर गए। केवल दस दिन हस्पताल में रहे।

जाने से दो दिन पहले मेरे पति ने बताया कि महाराज जी पूरी रात मेरे पास I.C U. में खड़े रहे। अगले दिन आई सी यू में दो–दो मिनिट के लिए हम मिलने गए तो मेरे पति ने इशारे से कहा इस तरफ हो जाओ महाराज जी खड़ें हैं। उसी दिन रात को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई हम उन्हें मिल नहीं पाए।

पूर्ण विश्वास है कि महाराज जी शान्तिपूर्वक इन्हें अपने साथ ले गए। अन्त समय तक अधिक दुःख नहीं उठाया। हमें I.C U. में जाने की permission नहीं थी लेकिन महाराज जी हर पल उन के साथ थे। हमें अत्यन्त गर्व है कि हमने ऐसे तारनहार का पल्ला पकड़ा है।

विभिन्न केन्द्रों पर सम्पन्न कार्यक्रम

सितम्बर से दिसम्बर 2016

साधना सत्संग, खुले सत्संग एवं नाम दीक्षा का विवरण

- **भरेड़ी**, हि. प्र., में 11 सितम्बर को एक दिवसीय खुला सत्संग लगा जिसमें 181 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **गुरदासपुर** में 16 से 18 सितम्बर तक खुला सत्संग लगा जिसमें 217 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **जालन्धर** में 25 सितम्बर को विशेष अमृतवाणी एवं प्रवचन के पश्चात् 198 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **हरिद्वार** में 2 अक्तूबर से 11 अक्तूबर तक रामायणी सत्संग लगा।
- **जम्मू**, में 14 से 16 अक्तूबर तक खुला सत्संग लगा जिसमें 576 साधकों ने श्री रामशरणम् परिसर के अन्दर रह कर आनन्द उठाया। उसमें 258 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **पठानकोट** में 22 से 23 अक्तूबर को खुला सत्संग लगा जिसमें 400 साधकों ने श्री रामशरणम् परिसर के अन्दर रह कर आनन्द उठाया उसमें 187 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **हिसार** में 6 नवम्बर को एक दिवसीय खुला सत्संग लगा जिसमें 27 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **हरिद्वार** में 11 से 14 नवम्बर तक परम पूजनीय स्वामी सत्यानन्द जी महाराज के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में साधना सत्संग लगा। 11 नवम्बर को 342 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **फाजलपुर**, कपूरथला, में 19 से 20 नवम्बर तक खुला सत्संग लगा जिसमें 206 साधकों ने श्री रामशरणम् परिसर के अन्दर रह कर आनन्द उठाया। उसमें 37 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **दिल्ली**, राजेन्द्र नगर, में 25 नवम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ।
- **ग्वालियर** में 25 से 28 नवम्बर तक साधना सत्संग लगा जिसमें 279 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **चम्बी**, हि.प्र. में 27 नवम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें 27 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **सरदारशहर**, राजस्थान में 5 दिसम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें 521 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **होशंगाबाद**, म.प्र. में 8 से 9 दिसम्बर तक खुला सत्संग लगा जिसमें 337 साधकों ने श्री रामशरणम् परिसर के अन्दर रह कर आनन्द उठाया। उसमें 633 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **भिवानी**, हरियाणा में 10 से 11 दिसम्बर तक खुला सत्संग लगा जिसमें 26 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **सूरत**, गुजरात में 17 व 18 दिसम्बर को खुला सत्संग लगा जिसमें 192 साधकों ने श्री रामशरणम् परिसर के अन्दर रह कर आनन्द उठाया। उसमें 96 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **सुजानपुर**, पंजाब में 24 एवं 25 दिसम्बर को खुला सत्संग लगा जिसमें 196 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **दिल्ली**, श्रीरामशरणम् में सितम्बर से दिसम्बर तक 195 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।

निर्माणाधीन श्रीरामशरणम् की प्रगति

- **बांसगहन**, जिला रायसेन, म. प्र में श्रीरामशरणम् का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होने की सम्भावना है। 22 फरवरी 2017 को श्रीरामशरणम् का विधिवत् उद्घाटन होगा। बांसगहन एक छोटा सा आदिवासी गांव है। यह भोपाल से लगभग 85 कि.मी. दूरी पर है। यह भोपाल, होशंगाबाद नैशनल हाईवे पर रोड से 8 कि.मी. अन्दर है। उद्घाटन के शुभ अवसर पर रोड से बांसगहन आने जाने के लिए अलग से वाहन व्यवस्था रहेगी।
- **जंडियालागुरु**, पंजाब में श्रीरामशरणम् का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस का लैंटर पड़ गया है।

Sadhna Satsang (January to December 2017)

Indore	13 to 16 January	Friday to Monday
Hansi	3 to 6 February	Friday to Monday
Haridwar	7 to 12 April	Friday to Wednesday
Haridwar	30 June to 3 July	Friday to Monday
Haridwar	4 to 9 July	Tuesday to Sunday
Haridwar (Ramayani)	21 to 30 September	Thursday to Saturday
Haridwar	11 to 14 November	Saturday to Tuesday
Gwalior	24 to 27 November	Friday to Monday

Open Satsang (January to December 2017)

Jhabua	8 to 10 January	Sunday to Tuesday
Mumbai	21 to 22 January	Saturday to Sunday
Pilibanga	28 to 29 January	Saturday to Sunday
Bhopal	10 to 12 February	Friday to Sunday
Dewas	12 February	Sunday
Bilaspur	17 to 19 February	Friday to Sunday
Nepalganj	24 February	Friday
Sirsa	25 to 26 February	Saturday to Sunday
Delhi (Holi)	11 to 13 March	Saturday to Monday
Jhabua (Maun Sadhna)	27 March to 5 April	Monday to Wednesday
Jawali	14 April	Friday
Mandi	16 April	Sunday
Bhareri	23 April	Sunday
Manali	14 to 16 June	Wednesday to Friday
Delhi	27 to 29 July	Thursday to Saturday
Rohtak	12 to 13 August	Saturday to Sunday
Rattangarh	19 to 20 August	Saturday to Sunday
Rewari	2 to 3 September	Saturday to Sunday
Gurdaspur	15 to 17 September	Friday to Sunday
Sydney	30 Sep. to 1 October	Saturday to Sunday
Jammu	13 to 15 October	Friday to Sunday
Hissar	28 to 29 October	Saturday to Sunday
Pathankot	4 to 5 November	Saturday to Sunday
Kapurthala	18 to 19 November	Saturday to Sunday
Bhiwani	9 to 10 December	Saturday to Sunday
Surat	16 to 17 December	Saturday to Sunday
Sujanpur	23 to 24 December	Saturday to Sunday

Naam Deeksha in Other Centres (January to June 2017)

Dohad, Gujarat	3 January	Tuesday
Kushalgarh	4 January	Wednesday
Partapur, Banswara (Raj.)	5 January	Thursday
Kupda, Banswara (Raj.)	6 January	Friday
Semrod, Bolasa, Jhabua (M.P.)	7 January	Saturday
Jhabua (M.P.)	8 January	Sunday
Indore	15 January	Sunday
Mumbai	22 January	Sunday
Faridabad	26 January	Thursday
Pilibanga	29 January	Sunday
Hansi	5 February	Sunday
Bhopal	12 February	Sunday
Dewas	12 February	Sunday
Bilaspur	19 February	Sunday
Bansgahan	22 February	Wednesday
Nepalganj	24 February	Friday
Sirsa	26 February	Sunday
Jawali	14 April	Friday
Mandi	16 April	Sunday
Bhareri	23 April	Sunday
Manali	16 June	Friday
Saylorsburg, USA	June	

Naam Deeksha in Shree Ram Sharnam, Delhi (January to December 2017)

22 January	Sunday	11:00 AM
26 February	Sunday	11:00 AM
26 March	Sunday	11:00 AM
30 April	Sunday	10:30 AM
21 May	Sunday	10:30 AM
9 July	Sunday	4:00 PM
6 August	Sunday	10:30 AM
10 September	Sunday	10:30 AM
8 October	Sunday	10:30 AM
12 November	Sunday	11:00 AM
3 December	Sunday	11:00 AM

Purnima (January to December 2017)

12 January	Thursday
10 February	Friday
12 March	Sunday
11 April	Tuesday
10 May	Wednesday
9 June	Friday
9 July	Sunday
7 August	Monday
6 September	Wednesday
5 October	Thursday
4 November	Saturday
3 December	Sunday

QUIZ ON HANUMAN JI

Select the correct answers to the following questions :

Q1. What was the name of Hanuman Ji's Mother?
A. Saraswati
B. Parvati
C. Anjana
D. Lakshmi

Q2. Who reminded Hanuman Ji that he could jump over the ocean to reach Lanka?
A. Lord Rama
B. Lord Lakshmana
C. Jatayu
D. Jambavan

Q3. What was the name of the mountain on which the Sanjivani herb grew?
A. Govardhana
B. Nilgiri
C. Dronagiri
D. Himalayas

Q4. In which episode of the Hindu epic *Ramayana* does Hanuman Ji first meet Lord Ram?
A. Aranya Kanda
B. Kishkindha Kanda
C. Bal Kanda
D. Sundara Kanda

Q5. What was the name of the serpent who tried to stop Hanuman Ji from reaching Lanka?
A. Tara
B. Lankini
C. Taraka
D. Surasa

Q6. Who attacked Hanuman Ji when he tried to reach the Sun ?
A. Indra
B. Surya
C. Shiva
D. Agni

Q7. Of which God is Hanuman Ji considered the avataar ?
A. Shiva
B. Vishnu
C. Brahma
D. Rama

Q8. What present of Lord Rama does Hanuman Ji give to Maa Sita in Ashok Vatika ?
A. Earrings
B. Ring
C. Bangles
D. Necklace

Q 9. What did Hanuman Ji do with the necklace which Maa Sita presented him?
A. He broke it
B. He wore it
C. He took it home
D. He gave it to Laxmana

Q10. Who is the author of Hanuman Chalisa?
A. Saint Surdas
B. Saint Tulsidas
C. Saint Raidas
D. Saint Kabir

Answers: 1. C, 2. D, 3. D, 4. A, 5. D, 6. A, 7. A, 8. B, 9. A, 10. B

यदि आप 'सत्य साहित्य' की इस प्रति को नहीं रखना चाहते,
तो कृपया इसे अपने स्थानीय केन्द्र या निकटतम श्रीरामशरणम् को लौटा दें।

प्रकाशक मुद्रक श्री अनिल दीवान द्वारा श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, 8 ए रिंग रोड, लाजपत नगर–IV नई दिल्ली. 110024 से प्रकाशित
एवं रेव स्कैनस प्राइवेट लिमिटेड, ए–27, नारायणा औद्योगिक ऐरिया, फेज़ 2, नई दिल्ली 110028 से मुद्रित, संपादकः मेधा मलिक कुदेसिया एवम् मालविका राय

Publisher and printer Shri Anil Dewan for Shree Swami Satyanand Dharmarth Trust, 8-A Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi 110024 and
printed at Rave Scans Private Limited, A-27, Naraina Industrial Area, Phase 2, New Delhi 110028. Editors: Medha Malik Kudaisya and Malvika Rai.

©श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, नई दिल्ली
ईमेल: shreeramsharnam@hotmail.com
वेबसाईट: www.shreeramsharnam.org

RNI No. "Applied for".